भारतीय पर्यावरण सेवा (IES)

प्रलिम्सि के लयि:

वर्ष 2014 में स्थापति टी.एस.आर. सुब्रमण्यम समति, भारतीय पर्यावरण सेवा (IES)।

मेन्स के लयि:

वर्ष 2014 में स्थापति टी.एस.आर सुब्रमण्यम समति, भारतीय पर्यावरण सेवा (IES), पर्यावरण क्षरण।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **सर्वोच्च न्यायालय** ने केंद्र सरकार को अखलि भारतीय स्तर पर एक समर्पति **भारतीय पर्यावरण सेवा (Indian Environment Service- IES)** स्थापति करने के लयि कहा है।

- **भारतीय पर्यावरण सेवा (IES)** के गठन की सफिारशि **वर्ष 2014 में पूर्व कैबनिट सचवि टीएसआर सुब्रमण्यम की अध्यक्षता** वाली एक समति द्वारा की गई थी।

नोट:

- उच्च स्तरीय समति का गठन अगस्त 2014 में **पर्यावरण, वन और जलवायु परविर्तन मंत्रालय (MoEF & CC)** द्वारा सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में कयि गया था।
- इसका गठन देश में **पर्यावरण कानूनों की समीक्षा करने** और उन्हें तत्कालीन ज़रूरतों के अनुरूप बनाने के लयि कयि गया था।

प्रमुख बदि

- **परचिय:** यह **पर्यावरणीय मामलों के संबंध में** आगामी दशकों में सार्वजनकि और अर्द्ध-सरकारी क्षेत्रों में एक **वशिषज्ञ समूह के रूप में** कार्य करेगी।
- **आवश्यकता:** नरिंतर पर्यावरणीय क्षरण, पारस्थितिकी असंतुलन, जलवायु परविर्तन, जल की कमी आद भारत के समक्ष मौजूद बड़ी चताएँ हैं।
    - नागरकिों को पर्यावरण संबंधी वभिन्नि समस्याओं जैसे- **वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ठोस अपशषि्ट और कचरे का नपिटान न हो पाना** तथा प्राकृतकि पर्यावरण प्रदूषण आद का सामना करना पड़ रहा है।
    - मौजूदा प्रणाली में व्याप्त दोष पर्यावरणीय क्षरण के प्रमुख कारणों में से एक है जो वभिन्नि स्तरों पर पर्यावरण संबंधी संस्थानों की प्रवर्तन क्षमताओं में नहिति है।
- **टी.एस.आर. सुब्रमण्यम समति की टप्पिणी:** वर्तमान प्रशासनकि व्यवस्था को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि **सरकारी कर्मचारी पर्यावरणीय उद्देश्यों हेतु वशिष समय नकिलने में समर्थ नहीं** है।
    - **वशिषि्ट संवर्ग का अभाव:** राज्यों और केंद्र सरकार की नीतयिों के कार्यान्वयन, प्रशासन, नीत नर्मािण और पर्यवेक्षण में शामलि **प्रशक्षिति कार्मकिों का अभाव** बना हुआ है।
    - भारत के पास एक **मज़बूत पर्यावरण नीत और वधिायी ढाँचा** तो था लेकनि इसके कमजोर कार्यान्वयन के परणिामस्वरूप संरक्षण वशिषज्ञों एवं न्यायपालकिा द्वारा इसके पर्यावरण प्रशासन की आलोचना की जाती रही है।
    - इस समति ने पर्यावरण संबंधी चताओं के एकीकरण के संबंध में वभिन्नि मंत्रालयों/संस्थाओं के मध्य प्रभावी समन्वय के अभाव को उजागर कयि।
- **संबद्ध चुनौतयिाँ: भारतीय पर्यावरण सेवा (IES) पहले से मौजूद एक अखलि भारतीय सेवा (भारतीय वन सेवा) के साथ ओवरलैप करेगी।**
    - इसके अलावा भारतीय पर्यावरण सेवा (IES) देश के संघीय ढाँचे के लयि भी एक चुनौती होगी।

आगे की राह

- नई **[अखिल भारतीय सेवाओं]** (AIS) का निर्माण इस तथ्य से उत्पन्न होता है कि AIS अधिकारियों का एक सामान्यीकृत दृष्टकोण है, जबकि समकालीन चुनौतियों के लिये अधिक विशिष्ट दृष्टकोण की आवश्यकता होती है।
- दोनों के बीच संतुलन बनाए रखने और पर्यावरण कानूनों को लागू करने हेतु अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिये एक '**भारतीय पर्यावरण सेवा अकादमी**' की स्थापना की जा सकती है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-environment-service-ies